भारत में 2012-13 से बागवानी फ़सलों की चढ़ाई

पिछले एक दशक से भारत में बागवानी फ़सलों की पैदावार अनाज वाली फ़सलों से ज़्यादा रही है। देश में 2012-13 से बागवानी फ़सलों की उपज अनाज वाली फ़सलों से अधिक रही है।

भारत के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय (डी ई एस) की गणना के मुताबिक, 2019-20 में देश में चौथे अग्रिम अनुमान के अनुसार 29.66 करोड़ टन अनाज और तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार 31.96 करोड़ टन बागवानी फ़सलों का उत्पादन होने का अंदाज़ा लगाया गया था।

2018-19 में भारत में अनाज वाली फ़सलों की पैदावार करीब 28.5 करोड़ टन और बागवानी फ़सलों की पैदावार करीब 31.1 करोड़ टन हुई। भारत में 2010-11 में बागवानी फ़सलों का कुल उत्पादन 24.05 करोड़ टन था जो कि हर साल बढ़ रहा है।

कृषि मंत्रालय के अनुसार, बागवानी में फल व सब्ज़ियां, मसाले, फूलों की खेती और बागानी फ़सलें जैसे कि कोको, नारियल, सुपारी, काजू, चाय और कॉफ़ी शामिल हैं।

भारत में बागवानी फ़सलों का मूल्य भी ऊपर की ओर बढ़ रहा है। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एम ओ एस पी आई) के राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी-2021 के अनुसार, स्थिर कीमतों (2011-12) पर बागवानी फ़सलों के उत्पादन का मूल्य 2019-20 में 4,66,000 करोड़ रुपये

था। 2018-19 में स्थिर कीमतों (2011-12) पर बागवानी फ़सलों के उत्पादन का मूल्य 4,55,500 करोड़ रुपये था।

स्थिर कीमतों (2011-12) पर, खेतीबाड़ी फ़सलों के उत्पादन के कुल मूल्य में बागवानी का हिस्सा 2019-20 में 34% और 2018-19 में 34.89% था। स्थिर कीमतों (2011-12) पर 2012-13 में खेतीबाड़ी फ़सलों के उत्पादन के कुल मूल्य में बागवानी का हिस्सा 30% था।

वर्तमान कीमतों (2011-12 श्रृंखला) पर बागवानी फ़सलों के उत्पादन का मूल्य 2019-20 में 9,11,900 करोड़ रुपये था। वर्तमान कीमतों (2011-12 श्रृंखला) पर 2019-20 में कृषि फसलों के उत्पादन के कुल मूल्य में उनका हिस्सा 38.69% था।

2019-20 में बागवानी फसलों के तहत क्षेत्र: 26.22 करोड़ हेक्टेयर

2019-20 में बागवानी फसलों का उत्पादन: 31.96 करोड़ मीट्रिक टन

(तीसरा अग्रिम अनुमान, कृषि मंत्रालय)